हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला| अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

5

जबलपुर, शुक्रवार 30 अक्टूबर 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

1 नवम्बर को होगा क्रिकेट ट्रायल

मण्डला। जिले में वर्ष 2026-27 के लिये डिस्ट्रिक क्रिकेट एसोसिएसन मंडला ने संभागीय क्रिकेट संघ के निर्देश पर विभिन्न आयु वर्ग के खिलाड़ियों की पंजीयन प्रक्रिया प्रारम्भ कर रहा है। आने वाली नवम्बर के दूसरे सप्ताह में अंडर 18 बालक वर्ग के संभाग स्तरीय टूर्नामेंट प्रारम्भ की सम्भावना के चलते मंडला जिले में अंडर 18 बालक खिलाड़ियों का ट्रायल होना है! सचिव अजय मिश्रा ने बताया है कि जिले के सभी आयु वर्ग के खिलाड़ियों का पंजीयन मेकल क्रिकेट एकेडमी स्टेडियम ग्राउंड मंडला में प्रारम्भ हो चुका है। सभी खिलाडी कोच बसंत ठाकुर, युवराज यादव से शाम 4 बजे से 6 बजे के मध्य अपने दस्तावेज आधार कार्ड, डिजिटल जन्म प्रमाण पत्र एवं फोन नंबर निर्धारित शुल्क सहित पंजीयन करवा सकते है। अंडर 18 बालक वर्ग के खिलाडी अविलम्ब पंजीयन करा लेवें. विदित हो कि आने वाली 1 नवम्बर दिन रविवार को स्टेडियम ग्राउंड मंडला में 10 बजे सुबह से अंडर 18 एवं सीनियर बालक वर्ग की ट्रायल प्रक्रिया आयोजित होगी, यह ट्रायल मल्टीड़ेस मैच के लिये होंगे। मंडला जिले के जो खिलाड़ी ट्रायल में शामिल होना चाहते है वे समय पूर्व पंजीयन करा लेवें। ट्रायल में सभी चयनकर्ता उपस्थित रहेंगे। सभी क्लब अपने अपने खिलाड़ी प्रतिभागी को पंजीयन कराने हेतु प्रोत्साहित करें ता कि समय पर जिले की टीम घोषित की जा सके।

अवैध शराब कारोबार को लेकर आबकारी विभाग पर ही लगते रहे हैं आरोप

क्या रातोंरात बनने लगी है शराब

*** अंग्रेजी शराब का जखीरा नगर का क्यों नहीं आता इन्हें नजर।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला





तात्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के द्वारा नर्मदा तटों के शुद्धिकरण को दृष्टिगत रखते हुये नर्मदा तट से 5 किलोमीटर तक किसी भी तरह के शराब के क्रय-विक्रय पर प्रतिबंध लगा दिया गया था और यही कारण था कि मण्डला में जो वैध शराब की दुकानें थी वे बंद कर दी गई।

2-4 शराब दुकानों के बंद कर दिये जाने से शासन को यह उम्मीद थी कि अब नर्मदा तटों पर शराब का क्रय-विक्रय उपयोग नहीं होगा लेकिन आबकारी विभाग की मेहरबानी से 4 दुकानें बंद हुई और अघोषित रूप से 40 दुकानें प्रारंभ कर दी गई। पहले जहां शराब के लिये दुकान तक जाना पड़ता था अब व्यवस्था ऐसी बन गई है कि आप जहां पर हैं शराब वहां तक पहुंच सेवा के रूप में उपलब्ध है। यहां तक कि आबकारी विभाग के सामने के इलाके में ही खुलेआम शाम को शराब का कारोबार होता है मुख्य बाजार में दर्जनों ऐसे ठिकाने हैं जहां आसानी से शराब उपलब्ध है इसके अलावा पान ठेले, हॉटल, ढाबे भी यह सुविधा उपलब्ध करा रहे हैं और ऐसा नहीं कि विभाग को इसकी जानकारी न हो लेकिन विभाग के अधिकारी तो सिर्फ कच्ची शराब पकड़ने का ही रिकॉर्ड बनाने में लगे हैं।



जिस मात्रा में कच्ची शराब और महुआ लाहन पकड़ा जा रहा है वह कहीं न कहीं आबकारी विभाग की कमजोरी को ही उजागर करता है। इतनी बड़ी मात्रा में कच्ची शराब का निर्माण होना और वह भी जिला मुख्यालय के समीपी ग्रामों में तो क्या यह कारोबार रातोंरात प्रारंभ कर दिय गया है जहां 2 हजार, 3 हजार किलोग्राम महुआ एक बार में उपयोग किया जा रहा हो ऐसे कारोबारी एक दिन में तो खड़े नहीं हो गये होंगे ये पिछले काफी वर्षो से यह काम करते आ रहे होंगे नहीं तो सिर्फ शराब बना लेना ही काफी नहीं उसे कहां बेचना है और कैसें रूपये कमाने हैं यह भी आवश्यक होता है। जिस तरह पहले के समय में विभाग की सांठगांठ के चलते इस तरह के कारोबारी इन क्षेत्रों में फले-फूले हैं।

अब जबकि प्रदेश के एक जिले में जहरीली शराब से लोगों की मौतें हुई और यह मामला काफी गर्माया। कार्यवाही के रूप में जिले के कलेक्टर, एसपी हटाये गये, दोषी अधिकारियों पर कार्यवाही हुई और इसी का परिणाम था कि बाकी जिलों में भी कच्ची शराब के निर्माण एवं कारोबार पर नकेल कसी गई और यही कारण है कि मण्डला आबकारी विभाग भी लगातार दबिश देकर इन्हें पकड़ रहा है लेकिन प्रश्न यह उठता है कि आखिर इस अवैध कारोबार को सहयोग किसने दिया पहले इन पर क्यों नहीं कार्यवाही की गई?

350 डिब्बों में मिला महुआ लाहन

मंडला वृत्त की टीम ने ग्राम गोंझी से आगे सहस्त्रधारा रोड पर नर्मदा नदी के किनारे दबिश देकर करीब 3500 किलो महुआ लाहन नष्ट किया और 95 लीटर हाथ भट्टी की कच्ची शराब जब्त की। विभाग ने चार प्रकरण दर्ज किए हैं। आबकारी विभाग के अनुसार, अलग-अलग अड्डों से महुआ लाहन से भरे करीब 350 डिब्बे मिले। हर डिब्बे में लगभग 10 किलो लाहन था। टीम ने मौके पर ही पूरा लाहन नष्ट कर दिया। शराब बनाने में इस्तेमाल होने वाले बर्तनों को भी नष्ट किया गया।

टीम को देखकर भागे शराब बनाने वाले

कार्रवाई के दौरान आबकारी बल को देखकर शराब बनाने में शामिल लोग भाग गए। विभाग उनकी तलाश कर रहा है। अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अवैध शराब बनाने के चार प्रकरण दर्ज किए गए हैं।

3.64 लाख रुपए की सामग्री जब्त

विभाग के मुताबिक, जब्त शराब और लाहन की कुल अनुमानित कीमत 3 लाख 64 हजार 250 रुपए है। कार्रवाई में आबकारी उपनिरीक्षक सर्वेश नागवंशी, सचिन मंडलोई और हरे सिंह उइके सहित आबकारी बल के अन्य कर्मचारी शामिल रहे।

सकवाह में रातों-रात तोड़ा गया सार्वजनिक शौचालय, आखिर किसने और क्यों की यह हरकत?



*** बिजली की तार भी टूटी, ग्राम पंचायत ने महाराजपुर थाने में की शिकायत; नए शौचालय निर्माण की उठी मांग।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

शहर से लगी ग्राम पंचायत सकवाह में झूला पुल के पास सड़क किनारे बने पुराने सार्वजनिक शौचालय को अज्ञात लोगों द्वारा रात के समय तोड़ दिए जाने का मामला सामने आया है। इस घटना के दौरान बिजली की तार भी टूट गई। सार्वजनिक उपयोग के शौचालय को इस तरह तोड़े जाने से क्षेत्र में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। आखिर शौचालय किसने और किस वजह से तोड़ा, यह सवाल अब लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम पंचायत सकवाह में झूला पुल के समीप सड़क किनारे स्थित पुराने सार्वजनिक शौचालय को रात में चुपके से तोड़ दिया गया। घटना की जानकारी सामने आने के बाद ग्राम पंचायत द्वारा महाराजपुर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है। अब पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि इस घटना के पीछे कौन लोग शामिल हैं और शौचालय तोड़ने का उद्देश्य क्या था।

सरपंच ने जताया संदेह, पुष्टि होना बाकी

इस मामले में ग्राम पंचायत की सरपंच श्रीमती रंजीता उईके द्वारा शौचालय के पीछे स्थित प्लॉट के मालिकों पर संदेह व्यक्त किया जा रहा है। हालांकि, इस संदेह की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है और किसी की संलिप्तता जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

नए सार्वजनिक शौचालय की मांग

स्थानीय लोगों का कहना है कि सार्वजनिक उपयोग के लिए उक्त स्थान पर शौचालय उपलब्ध होना आवश्यक है। इसलिए उसी स्थल पर नवीन सार्वजनिक शौचालय का निर्माण कराया जाना चाहिए, ताकि आम नागरिकों को सुविधा मिल सके। शौचालय तोड़े जाने के साथ बिजली की तार टूटने का मामला भी गंभीर है, जिसकी जांच और आवश्यक कार्रवाई की जरूरत है।

अब देखना यह होगा कि शिकायत के बाद पुलिस विभाग एवं उच्च अधिकारी इस मामले में क्या कार्रवाई करते हैं और क्या लोगों की मांग पर उसी स्थान पर नया शौचालय बनाया जाएगा

आखिर क्यों काटे जा रहे हैं पीडब्ल्यूडी परिसर में लगे हरे-भरे वृक्ष

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला





अभी दो माह पूर्व ही शासन-प्रशासन लगातार लोगों को वृक्षों की अहमियत का ज्ञान देने में लगा था एक पौधा माँ के नाम एक बगिया माँ के नाम जैसे कार्यक्रम गांव से लेकर जिला मुख्यालय तक चलाये गये और अब जिला मुख्यालय में ही लोक निर्माण विभाग कार्यालय के परिसर में लगे हरे-भरे वृक्षों का कत्लेआम किया जा रहा है।

ये भारी भरकम वृक्ष क्यों काटे जा रहे हैं किसकी अनुमति से काटे जा रहे हैं कोई न तो बता पा रहा है और न ही इस बावद् कोई स्पष्टीकरण देने को तैयार है। राजस्व विभाग द्वारा कहा जा रहा है कि यह नजूल का मामला है और नजूल विभाग राजस्व पर स्पष्ट करने को कहता है यह कवायद समझ से परे है।

नगर के पर्यावरण प्रेमी भी यह देखकर परेशान तो हो रहे हैं लेकिन ऐसे पर्यावरण प्रेमियों की गंभीरता प्रशासनिक कार्यक्रमों में फोटो खिंचाने तक ही सीमित नजर आती है जब कभी प्रशासन द्वारा पर्यावरण के विरूद्ध कोई काम किया जाता है तो फिर ये पर्यावरण प्रेमी मौन साधकर रह जाते हैं। बारिश में जहां कुछ पौधे लगाये गये वे बड़े होने में वर्षो का समय लेंगे लेकिन जो पहले से बड़े हैं और लोगों को आश्रय प्रदान कर रहे हैं ऐसे पेड़ों की बलि चढ़ाकर हम क्या साबित करना चाह रहे हैं।

जन अभियान परिषद का प्रस्फुटन शक्ति संचय समवर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित



भुआबिछिया। विकासखंड बिछिया जिला मंडला ग्राम पंचायत भवन कटंगामॉल में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद का प्रस्फुटन शक्ति संचय स मवर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम। जिला समन्वयक सुशील बर्मन जी एवं विकासखंड समन्वयक कीर्ति कुरील के मार्गदर्शन में जन अभियान परिषद से संबंधित नवांकुर संस्था- गोंडवाना शिक्षा उत्थान परिषद बिछिया सेक्टर क्रमांक 5 मझीपुर द्वारा सेक्टर स्तरीय ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों का शक्ति सृजन व क्षमता वर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 24/10/2026 को संपन्न हुआ। प्रशिक्षण में सर्वप्रथम भारत माता के छायाचित्र पर माल्यार्पण करके दीप प्रज्वलित और पूजा अर्चन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ग्राम कटंगामॉल के सरपंच श्रीमती पार्वती उइके , ग्राम के सरपंच भादुसिंह उइके और ब्लॉक समन्वयक श्रीमती कीर्ति कुरील प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर नवांकुर संस्था गोंडवाना शिक्षा उत्थान परिषद कार्यक्रम प्रभारी कमलेश यादव परामर्शदाता नितिन साहू उपस्थित रहे। मुख्य अतिथियों और ब्लॉक समन्वयक का स्वागत वंदन किया गया। तत्पश्चात प्रशिक्षण में आए ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों के पदाधिकारीयों और नवांकुर सखियों को सत्र में रखे गए विषयों के माध्यम से जानकारी दी गई। प्रथम सत्र में प्रस्तावना के रूप में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद का परिचय, उद्देश्यों और लक्ष्यों के विषय को लेकर ब्लॉक समन्वयक श्रीमती कीर्ति कुरील ने जानकारी दी और कहा कि- मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की अवधारणा, उद्देश्य सामूहिकता, स्वावलंबन, जनभागीदारी, स्वैच्छिकता और समिति व एनजीओ के मध्य समन्वय स्थापित करना है।

संवाद | **बाल सुरक्षा एवं जिम्मेदार नागरिकता पर दिया मार्गदर्शन।**

पुलिस अधीक्षक ने विद्यार्थियों से किया संवाद





हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

पुलिस अधीक्षक मंडला राजेश रघुवंशी के निर्देशन में दिनांक 29 अक्टूबर 2026 को रानी दुर्गावती शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मंडला में "जन सुरक्षा–युवा सृजन संवाद" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को कानून, साइबर अपराध, ऑनलाइन धोखाधड़ी, नशा मुक्ति, सड़क सुरक्षा तथा महिला एवं बाल संरक्षण के प्रति जागरूक करना और पुलिस एवं युवाओं के बीच संवाद स्थापित करना रहा।

पुलिस अधीक्षक ने विद्यार्थियों से किया संवाद

पुलिस अधीक्षक श्री राजेश रघुवंशी ने छात्र-छात्राओं से संवाद करते हुए बाल अधिकारों, बच्चों की सुरक्षा तथा समाज की सामूहिक जिम्मेदारी पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को सकारात्मक सोच अपनाने, कानून का सम्मान करने और सामाजिक उत्तरदायित्व निभाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि बच्चों की सुरक्षा के लिए पुलिस, परिवार, शिक्षकों और समाज का समन्वित प्रयास आवश्यक है।

धोखाधड़ी से बचाव की दी जानकारी

पुलिस अधीक्षक ने सोशल मीडिया के माध्यम से होने वाली ऑनलाइन निवेश धोखाधड़ी के प्रति सतर्क रहने की समझाइश दी। उन्होंने कम समय में धन दोगुना करने और अधिक लाभ का प्रलोभन देने वाली योजनाओं से सावधान रहने तथा निवेश से पहले संबंधित व्यक्ति एवं संस्था की विश्वसनीयता जांचने की आवश्यकता बताई। विद्यार्थियों को डिजिटल माध्यमों का विवेकपूर्ण उपयोग करने और बिना जांच-पड़ताल के आर्थिक निर्णय नहीं लेने का संदेश दिया।

विभिन्न विषयों पर अधिकारियों का मार्गदर्शन

कार्यशाला में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री शिव कुमार वर्मा ने नशा मुक्ति, सड़क सुरक्षा एवं महिला संबंधी अपराधों पर जानकारी दी। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री सतीश चतुर्वेदी ने आपराधिक न्याय व्यवस्था के विषय में मार्गदर्शन दिया। महिला थाना प्रभारी निरीक्षक श्रीमती ममता परस्ते एवं उपनिरीक्षक सुश्री आकांक्षा उर्मालिया ने महिला एवं बाल संरक्षण तथा समावेशी समाज के महत्व पर प्रकाश डाला।

सूबेदार योगेश राजपूत ने सड़क सुरक्षा, नशा मुक्ति एवं हिंसा निवारण, जबकि साइबर सेल प्रभारी निरीक्षक श्री राजेंद्र बिसेन ने साइबर सुरक्षा एवं डिजिटल नागरिकता के संबंध में जानकारी दी। कम्पनी कमांडर प्रभात तिवारी द्वारा आपदा प्रबंधन संबंधी सत्र निर्धारित किया गया।

पुलिस अधिकारियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की रही सहभागिता

कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मंडला शिव कुमार वर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सतीश चतुर्वेदी, महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. टी.पी. मिश्रा, महिला थाना प्रभारी निरीक्षक श्रीमती ममता परस्ते, साइबर सेल प्रभारी निरीक्षक राजेंद्र बिसेन, उपनिरीक्षक आकांक्षा उर्मालिया, सूबेदार श्री योगेश राजपूत सहित अन्य पुलिस अधिकारी-कर्मचारी, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

स्वामित्व योजना को लेकर पटवारियों ने सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला



स्वामित्व योजना के क्रियान्वयन को लेकर जिस तरह शासन कार्य कर रहा है उसको लेकर पटवारी अपने आपको प्रताड़ित महसूस कर रहे हैं और लगातार काम के दबाव के चलते पटवारी संघ ने कल जिला प्रशासन को एक ज्ञापन सौंपा में जिसमें यह उल्लेखित किया गया कि स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन 2026 का कार्य द्रुतगति से एक अभियान के रूप में किया जा रहा है। जिसके कारण प्रदेश के पटवारियों से अत्यधिक दबावपूर्ण एवं मानवीय संवेदनाओं से परे हटकर, निलंबन, सेवासमाप्ति तथा अन्य दंडात्मक कार्यवाहियों के भय का माहौल तैयार कर पटवारी को मशीन मानकर दिन-रात 24 घंट कार्य लिया जा रहा है, जो निश्चित रूप से मानवाधिकार के विरूद्ध तो हैं ही, उक्त अभियान के कार्यों के निष्पादन के दौरान, पटवारी दुर्घटना ग्रस्त हों रहे, उनका पारिवारिक जीवन नष्ट हो रहा है, जिससे वह मानसिक रोगी होकर आत्महत्या जैसे कार्य करने को विवश हो रहे हैं और यह अधिकारियों द्वारा कराई जाने वाली प्रतियोगिताओं का ही परिणाम हैं।

योजना के कार्य को समय-सीमा में पूर्ण करने के दबाव कारण एक साथ एक समय प्रदेश के समस्त पटवारियों द्वारा अभियान के रूप में कार्य किया जा रहा है। जबकि सर्वर की क्षमता कम होने सर्वर कार्य नहीं कर पा रहा है। जिससे कार्य बाधित हो रहा है लेकिन प्रतिदिन पटवारियों की शिकायतों पर ध्यान न देकर, प्रतिदिन का बढ़ते क्रम लक्ष्य दिया जा रहा है, तथा सर्वर की तकनीकी त्रुटि की समस्याओं का निराकरण न होने से लक्ष्य पूरा न होने पर खामियाजा प्रदेश के पटवारियों का मानसिक रूप से प्रताड़ित कर किया जा रहा है। इस हेतु सर्वर की तकनीकी समस्या को दूर कर क्षमता बढ़ाई जावें ताकि अभियान का तकनीकी कार्य कुतगति से पूर्ण हो।

शासन द्वारा किसी भी अभियान के दौरान आयोजित केम्प व कार्य की समय सीमा तय होती है किंतु इस अभियान के दौरान सभी मानवीय संवेदनाओं एवं मानव मूल्यों को ताक में रखकर प्रदेश के पटवारियों की दिन-रात लगातार 24-24 घंटे डियूटी आदेश प्रसारित किए गए है। शासन के अवकाश कालीन दिवसों को समाप्त कर कार्य करवाया जा रहा है। रात्रिकालीन केम्प लगवाकर कार्य करने हेतु दबाव बना रहे हैं, जो अमानवीय कृत्य है । प्रदेश के पटवारी के प्रति मानवीय दृष्टिकोण रखा जाए तथा उसके मानव अधिकार की रक्षा की जावे। इस हेतु रात्रिकालीन केम्प तत्काल बंद किए जाए। इस हेतु अभियान के कार्य व केम्प की समय सीमय कार्यकालीन समय अनुसार प्रातः 10 से सायं 06 तक सुनिश्चित की जावे।

शासन के नियमानुसार किन्हीं भी परिस्थिति में महिला कर्मचारी की ड्यूटी रात्रिकालीन समय में नहीं लगाई जाने संबंधित स्पष्ट निर्देश है किंतु किसी विशेष परिस्थिति में कार्यालयीन कार्यों से विलंब होने पर शासकीय संसाधनों से उसकी निजी सुरक्षा का ध्यान में रखकर उसे घर तक सुरक्षित पहुंचाने की जिम्मेदारी शासन की रहती है जब कि प्रदेश की महिला पटवारियों की दरस्थ दर्गम क्षेत्रों में इस अभियान हेतु रात्रिकालीन डियूटी लगाकर दिन-रात कार्य करवाया जा रहा है। जो विधि एवं नीति विरूद्ध है।

खबर संक्षेप

जनपद शिक्षा केंद्र में आयोजित किया गया एक दिवसीय विकासखंड स्तरीय प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज/चीचली। सर्व शिक्षा अभियान के अंतर्गत कार्यालय जनपद शिक्षा केंद्र चीचली द्वारा वर्ष 2026-27 के लिए यू-डाइस प्लस एवं पीजीआई इंडेक्स पर एक दिवसीय विकासखंड स्तरीय प्रशिक्षण सह उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन बीते हुये 27 अक्टूबर से शुरू किया जो 5 नवंबर तक चलेगा। बताया जाता है कि इस प्रशिक्षण मे चीचली बीआरसी डी के पटैल ने बताया कि यूडाइस प्लस पोर्टल के माध्यम से शालाओं के विद्यार्थियों का नामांकन, इन्फ्रास्ट्रक्चर, शिक्षकों की जानकारी एवं अकादमिक परफॉरमेंस का सटीक और प्रमाणिक डेटा एकत्र किया जाता है। इस दौरान एमआईएस दीपक श्रीवास्तव ने बताया कि इस डेटा का उपयोग केंद्र एवं राज्य के शिक्षा विभाग, नीति निर्धारकों तथा शोधकर्ताओं द्वारा शैक्षणिक योजनाओं के निर्माण, मॉनिटरिंग एवं मूल्यांकन हेतु किया जाता है। ज्ञात हो कि यह प्रशिक्षण जनपद शिक्षा केंद्र चीचली में प्रतिदिन दोपहर 12:30 बजे से शाम 04:30 बजे तक आयोजित हो रहा है । वही कल 30 अक्टूबर को जनशिक्षा केंद्र बारह बड़ा तथा 2 नवंबर को जनशिक्षा केंद्र करपगाँव, 3 नवंबर को जनशिक्षा केंद्र शाहपुर, 4 नवंबर को जनशिक्षा केंद्र कठोतिया एवं 5 नवंबर को जनशिक्षा केंद्र चीचली के शिक्षक सहभागिता करेंगे। प्रशिक्षण में उपस्थित होने वाले समस्त शाला प्रभारी अपने साथ टैबलेट तथा यू-डाइस पोर्टल से संबंधित स्कूल प्रोफाइल, शिक्षक प्रोफाइल, स्टूडेंट प्रोफाइल, ड्रॉपबॉक्स छात्र-छात्राओं की जानकारी एवं अपार आईडी न बनने वाले विद्यार्थियों की कारण सहित जानकारी अनिवार्य रूप से साथ लाने के निर्देश पहले ही दिये गये है । प्रशिक्षण सत्र के दौरान आवश्यक सहयोग एवं मार्गदर्शन प्रदान करने हेतु प्राथमिक शिक्षक गिरीश ताम्रकार, धीरज जसाठी एवं फूलसिंह कौरव आवश्यक सहयोग दे रहे है।

आये दिन एटीएम राशि खत्म होने से परेशान हो रहे उपभोक्ता

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। देश के प्रधान मंत्री द्वारा भारत देश को डिजीटल बनाने की सोच रखते हुए सभी व्यक्तियों को बैक खाते खुलवाने की शुरूआत करते हुए उनका लेनदेन करने के लिए एटीएम कार्डो की व्यवस्था दी गई है। इसी के चलते नगर में लगभग सभी बैकों द्वारा अपने एटीएम तो स्थापित किये गये है, मगर बैकों द्वारा एटीएम को लेकर बरती जा रही उदासीनता के चलते उपभोक्ताओं को आये दिन परेशान होना आम बात बन चुकी है। क्योंकि उपभोक्ताओं की सोच रहती है कि वह अपने साथ ज्यादा राशि लेकर इसलिए नही चलते है कि बैकों द्वारा प्रदान किये गये एटीएम कार्डो के माध्यम से जरूरत पड़ने पर राशि निकाल सकते है। मगर नगर में स्थापित एटीएमों में आये दिन देखा जाता है कि राशि खत्म होने के कारण उपभोक्ताओं को परेशान होने के लिए मजबूर होना, क्योंकि एटीएमों की रख रखाबों में बैको द्वारा बरती जा रही लापरवाही का ही परिणाम है कि न तो उनके द्वारा स्थापित किये गये ए टी एमों के पास न कोई सुरक्षा गार्ड रहता है और न ही कोई ऐसा व्यक्ति नगर में भ्रमण करते हुए दिखाई देता है जब एटीएम के अंदर राशि समाप्त हो जाती है तो उसकी सूचना पहुंचाते हुए राशि डालने की प्रक्रिया पूर्ण की जा सके। इस प्रकार से देखा जा रहा है कि 24 घंटे में मात्र एक बार ही निर्धारित राशि डाले जाने के कारण वह चंद घंटों में समाप्त होने की स्थिति में दिन दिन भर उपभोक्ताओं को एक ए टी एम से दूसरे ए टी एम तक भटकने के बाद भी खाली हाथ रहने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है? जबकि सच्चाई पर गौर किया जावे तो उपभोक्ता बैकों में लगने वाली लाईनों से बचने के लिये एटीएमों के माध्यम से अपनी राशि निकाल कर अपने आपको सुरक्षित रखना चाहते है। मगर बैकों द्वारा इन खाली होने वाली एटीएमों को समय पर राशि नही भरने के कारण उपभोक्ताओं को बैक शाखाओं में पहुंचकर लम्बी लाईने लगाने के लिये मजबूर होते हुये देखा जा रहा है।

करोड़ों की सौगात साबित हुई मात्र चार दिन की चांदनी फिर अंधियारी रात.., भौरझिर खुलरी मार्ग पर गुणवत्ता उजागर होने के बाद भी जिम्मेदारों की चुप्पी







हरिभूमि न्यूज/खुलरी। इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि जब क्षेत्र में किसी बड़ी सौगात मिलती है तो जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों की मेहनत का ही परिणाम होता है। यदि वह सौगात मात्र चाद दिन की चांदनी साबित होवे तो निश्चित तौर से सबाल पैदा होना आम बात बन जाती है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई कुछ साल पहले भौरझिर से खुलरी होते हुये सिहोरा तक बनी हुई सीमेन्ट सड़क में देखने मिला रहा है। अपने निर्माण के चंद साल के अंतराल से टूटने वाली इस सड़क जहां अपनी गुणवत्ता की सच्चाई को खुद ही उजागर करने से नही चूक रही है। मगर हैरत इस बात की है कि इस पर जिम्मेदारों की चुप्पी निश्चित तौर से आधे आधे में सोंझआई की ओर प्रतीत होते हुये..? बताया जाता है कि करोड़ो की लागत से चंद वर्ष पहले निर्मित हुई क्षेत्र के लिंगा से कुसमी सगौरिया होते हुये भौरझिर, खुलरी से सिहोरा सीमेन्ट सड़क के निर्माण कार्य के दौरान जो सच्चाई देखने मिली है उसके चलते जिस प्रकार से निर्माण कार्य करने वाली एजेंसी द्वारा गफलत बाजी बरती गई है उसका हाल ऐसा बनते हुये देखा जा रहा है कि सही मायाने में देखा जावे तो अभी तक इस सीमेन्ट सड़क का कार्य पूरा भी नही हो पाया था और सड़क पर जहां तहां से निकल रही दरारो के साथ साथ टूटती हुई सड़क अपनी गुणवत्ता की सच्चाई को खुद ही उजागर करने से नही चूक रही है। वही दूसरी ओर जिम्मेदारों की चुप्पी निश्चित तौर से गफलतबाजी करने वालों को संरक्षण की मुद्रा में प्रतीत होने से नही चूक रही है..? बताया जाता है कि करोड़ो की राशि से बनाई गई इस सीमेन्ट सड़क की जब क्षेत्रवासियों के लिये सौगात मिली थी तो निश्चित तौर से क्षेत्र के लोग फूले नही समा रहे थें कि अब क्षेत्रवासियों को लम्बे समय तक सड़क की परेशानी से निजात मिल जाबेगी। मगर यह सोच क्षेत्र के लोगों के लिये एक सपना ही साबित होने से नही चूक पाई तथा हाल ही में निर्मित हुई सड़क जिस प्रकार से जहां तहां से टूटते हुये अपनी गुणवत्ता कहानी बता रही है । इस सच्चाई को लगातार उजागर किये जाने के बाद भी कोई जांच न होना निश्चित तौर से इस बात का संकेत देते हुये जान पड़ रहा है कि शायद अब इस गफलत बाजी के खेल में अधिकारियों से लेकर जिम्मेदारों की भी भागीदारी हो चुकी है? क्योंकि जिस तरह करोड़ो की राशि से बनाई गई इस सीमेन्ट सड़क के निर्माण के दौरान निर्माण कार्य करने वाली कंपनी द्वारा जिस गुणवत्ता का अपनाते हुये कार्य शुरू किया गया तो शुरूआती तौर से ही मीडिया द्वारा आवाज उठाना शुरू कर दिया गया था। मगर इसके बाद भी ध्यान नही जिये जाने का परिणाम है कि करोड़ो की लागत से बनी यह सड़क गफलतबाजी की भेंट चढ़ने से नही चूक पाई है। इस ओर किसी भी तरह से न तो संबंधित विभाग के अधिकारियों द्वारा ध्यान दिया गया था और न ही क्षेत्र के जिम्मेदारों द्वारा जिसका परिणाम इस तरह से देखने मिला कि इस सीमेन्ट सड़क का निर्माण होते ही जहां जहां से सड़क को टूटते हुये देखे जाने के कारण उसकी गुणवत्ता उजागर होने लगी है। इस प्रकार से हाल ही में निर्मित हुई इस सीमेन्ट सड़क के जहां तहां से टूटने की सच्चाई को लेकर हरिभूमि द्वारा प्रमुखता से उजागर करते हुये जिम्मेदार अधिकारियों तक पहुंचाते हुये सड़क निर्माण के गुणवत्ता की सच्चाई को उजागर किया गया था। मगर शायद उनके द्वारा इस ओर किसी भी प्रकार का कोई ध्यान नही दिये जाने का परिणाम है कि अब निर्माण कार्य करने वाली कंपनी द्वारा अपनी सच्चाई को छुपाने की सोच रखते हुये आये दिन सड़क पर निकल रही दरारों की लीपा पोती करते हुये देखा जा रहा है? तो दूसरी ओर सड़क को लेकर हैरत की बात यह देखने मिल रही है कि इस तरह करोड़ो की राशि से निर्मित होने जा रही इस सीमेन्ट सड़क जिस प्रकार से अपने निर्माण के चंद दिवस के उपरांत यानि की अभी निर्माण कार्य सही रूप से पूर्ण भी नही हो पाया और सड़क का जहां तहां से टूटना शुरू हो चुका है उसको लेकर न तो संबंधित विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों से लेकर हर बात की गारंटी का भरोसा दिलाने वाले पेहरेदारों द्वारा किसी भी प्रकार का ध्यान दिया जा रहा है और न ही क्षेत्र के जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों द्वारा जिसके चलते निश्चित तौर से क्षेत्र के लिये मिली करोडो की सौगात गफलतबाजी के भेंट चढ़े जाने के बाद भी आज तक किसी अधिकारी द्वारा इसकी जांच करना भी उचित नही समझा गया है और परिणाम है कि सड़क लगाता टूटते चली जा रही है। बताया जाता है की सड़क के बीचों बीच निकल रही दरारो के बीच मे जहां झाडियाँ पैदा होते हुये दिखाई देने लगी है। वही दूसरी ओर सड़क के बीचों बीच निकल रही इन दरारों में आये दिन दो पहिया वाहन दुर्घटना का शिकार होते हुये देखे जाना आमबात होने लगी है। इस तरह क्षेत्र के विकास के नाम पर अधिकारियों की अनदेखी के चलते शासकीय धन की होली खेली गई है उसको लेकर हर भरोसे की गारंटी देने वाले पेहरेदारों से लेकर जिम्मेदार अधिकारियों की चुप्पी निश्चित तौर से अनेक सबालों को जन्म देने से नही चूक रही है..?

कल्याणपुर स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा नुक्कड़ सभा के माध्यम से दिया स्वच्छता का संदेश




हरिभूमि न्यूज/ कल्याणपुर। जनपद पंचायत चीचली के अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कल्याणपुर के छात्रों द्वारा गांव के हाट बाजार में स्वच्छता जागरूकता को लेकर नुक्कड़ सभा का आयोजन किया गया। बताया जाता है कि इस नुक्कड सभा में ई कचरा प्रबंधन, संग्रहण एवं पुनःचक्रण आदि विषयों पर लोगों को जागरूक किया गया। इस दौरान चार प्रकार के डस्टबिनों का प्रदर्शन किया गया तथा कचरे के पृथक्करण के बारे में बताया गया। कार्यक्रम मे छात्र छात्राओं ने नीला डस्टबिन सूखा कचरा के लिए, हरा डस्टबिन गीला कचरा के लिए, लाल डस्टबिन ई-कचरा एवं हानिकारक कचरा एवं काला डस्टबिन का उपयोग सामान्य कचरा के लिए उपयोग करने के लिये प्रेरित किया गया। वही आयोजन के दौरान छात्र-छात्राओं द्वारा बताया गया कि कचरे को फेंकने से पहले उसे छांटकर अलग-अलग करना चाहिए और उपयोगी कचरे को अलग रखना चाहिए। इस दौरान उन्होने बताया कि ई-कचरा जैसे सीएएफएल में मरकरी (पारा) होती है, जिसे फेंकने से पारा पानी में मिल जाता है और पानी दूषित हो जाता है। बैटरी में भारी धातुएं होती हैं, बल्ब व अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भी प्रकृति के लिए हानिकारक हैं। इस अवसर पर बताया गया कि विद्यालय के पास ही शक्कर नदी है। अतः कोई भी इलेक्ट्रॉनिक कचरा नदी में नहीं जाना चाहिए, जिससे हमारे जल स्रोत प्रभावित न हों। सभा मे सभी उपस्थित ग्राम वासियों ने स्वच्छता एवम ई कचरा के उचित प्रबंधन की शपथ ली गई। वही इस दौरान कबाड़ी नीलेश वंशकार को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर ग्रामवासी श्याम लाल कुशवाहा,चंद्रकुमार साहू , देवी प्रसाद कौरव, आशीष शर्मा उपस्थित रहे। नुक्कड़ सभा का मार्गदर्शन एवं निर्देशन संस्था प्राचार्य ओम प्रकाश कौरव ने किया तथा संचालन मनीष नेमा सहित अवधेश कौरव ने किया । इस अवसर पर विवेक कौरव, सुहाना कौरव, अंशु कुशवाहा, सुरभि कुशवाहा, योगिता मेहरा सहित विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को जागरूक किया।

करवा चौथ सुहागिनों ने निर्जला व्रत रख मांगा अटल सुहाग का वरदान




हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। हिन्दू संस्कृति में महिलाओं के लिए सबसे प्रिय त्यौहार करवा चौथ का त्यौहार शहर में कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी यानि की कल गुरूवार को हर्षोल्लास से मनाया गया। इस वर्ष इस त्यौहार की खास बात यह थी कि सर्वार्थ सिद्वि योग तथा भगवान विष्णुजी के प्रिय दिवस एवं गणेश चतुर्थी के बीच त्रिवेणी संगम लेकर विशेष फलवती लेकर आया था, जिसके कारण सुहागिनी महिलाओं में करवा चौथ का त्यौहार मनाने का जबर्दस्त उत्साही दिखाई दे रहा था ओर वे सज संवर कर अपने पतियों को आकर्षित करने, घरों में खुशियाँ बिखरने कोई कोर कसर बाकी नही रखना चाह रही थी। जिसके चलते देखा गया कि सुबह सुहागिनी महिलाओं ने स्नान कर संकल्प लेने के बाद करवा चौथ के निर्जला व्रत धारण कर और ढलती संध्या के समय अपने घरों के अंगनों में स्थापित मिट्टी के बायना भरे करवो भगवान शिव, माता पार्वती का विधि विधान से पूजन कर माता पार्वती को चुनरी, बिंदी, सुहाग सामग्री अर्पित कर उनके प्रार्थना कि वे उनके पतियों को शक्ति, सुख शांति प्रादन कर दीर्घजीवी बनायें। सुहागिनी महिलाओं ने माता पार्वती, भगवान शिव, श्रीगणेश का स्मरण कर तेरह गेंहू के दाने हाथ में रख पंडितों से करवा चौथ की कहानी सुनी, आकाश में चंद्रोदय होने के बाद सुहागिनी महिलाओं ने भगवान चंद्रमा का रोली, चांवल, फूल चढ़ाकर पूजन कर छलनी के जरिए चंद्र दर्शन किया और भगवान चंद्रमा से अपने अटल सुहागवती रहने का बरदान मांगा। वही बुजुर्गो का पैर छूकर आर्शीवाद लेने के बाद महिलाओं ने उनके सुख, दुख के साथी अपने पतियों का चरण स्पर्थ कर उनके हाथों से पानी पीकर करवा चौथ का निर्जला व्रत समाप्त किया। इस तरह से करवा चौथ के दिन गुरूवार को शहर का बाजार गुलजार रहा और सुहागिनी महिलाओं ने अपने परिवारजनों को कई तरह के व्यंजन खिला अपने घरों के वातावरण को मधुर बनाया तथा अपने पतियों का छलनी के माध्यम से चेहरा निहारते हुये अपना व्रत समाप्त किया गया। नगर में देखा गया कि आसमान पर बादल छाने के चलते महिलाये चंद्रमा की एक झलक पाने के लिये परेशान होते हुये देखी गई। इस तरह बादलों की ओट में छिपे हुये चंद्रमा के दर्शन से बंचित महिलाओं द्वारा समय के आधार पर चंद्रमा निकलने का समय पूर्ण होने पर छतों पर जहां महिलाओं के झुंड नजर आने लगे थें और अपने सजे सबरे हुये पतियों को चेहरा देखते हुये आनंदित होकर उनकी पूजन करते हुये दिखाई पड़ने का नजारा देर रात तक चलता रहा। मगर इस दौरान देखा गया कि आसमान में बादलों के अंदर छिपे हुये चंदा मामा से ब्रत धारण करने वाली महिलाओं को काफी परेशान करने के साथ अपने दर्शन देने में इंतजार कराया गया।

जिम्मेदार अधिकारियों की बेरूखी के चलते गुणवत्ताहीन कच्ची शराब की बिक्री के चलते सालीचौका क्षेत्र में भी बन सकते हैं हालत...?






हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। समय साक्षी है कि जिस शहर में कभी ढूढे शराब और अन्य मादक पदार्थ नही मिलते थें। वही वर्तमान में धड़ल्लें से शराब बिक रही है। क्षेत्र के गांवों में देखा जावे तो जिस प्रकार से किराना दुकानों पर शराब विक्रय होते हुये देखी जा रही है। यह सच्चाई निश्चित तौर से जिला पुलिस अधीक्षक द्वारा मादक पदार्थो के खिलाफ छेड़ी गई मुहिम पर सबाल खड़े करने से नही चूक रही है। वही दूसरी ओर सबाल यह पैदा हो रहा है कि गांव गांव विक्रय होने के लिये यह शराब आ कहा से नही है यह सच्चाई भी शायद किसी से छिपी नही होगी..? हाल यह बन रहा है कि जिस में जिस तरह से गुणवत्ता हीन पन्नी के पैको के माध्यम से क्षेत्र के मारेगांव, अर्जुनगांव, सहावन, बारछी, पलेरा, बैरागढ़, पचामा, भटरा सहित अन्य गांवों में विक्री होते हुये देखी जा रही है वह निश्चित तौर से चिंता जनक सच्चाई को उजागर करने से नही चूक रही है..? बताया जा रहा है कि पन्नी में पैक होकर विक्रय होने वाही यह शराब यूरिया की मिलावट के साथ निर्मित होने के साथ मानव जीवन के लिये हानिकारक बताई जा रही है। हैरत इस बात की इस संबंध में जिले से लेकर तहसील व स्थानीय स्तर के जिम्मेदार अधिकारियों को अवगत कराये जाने के बाद भी कार्यवाही नही होने के कारण जहां इस तरह गुणवत्ताहीन शराब की विक्री करने वालों के हौसले बुलंद होने से नही चूक रहे है। वही जिम्मेदारो की उदासीनता कही जावे या फिर मिली भगत के चलते किसी दिन सागर, देवास जैसे हालत बनने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है...? वही दूसरी ओर देशी शराब विक्री के हाल तो यह बने हुये है कि मानों किराना दुकानों पर आसानी से उपलब्ध होते हुये देखी जा रही है। मगर इन थोक विक्रय करने वालों पर कार्यवाही न होने का परिणाम है कि इस समय सालीचौका क्षेत्र में किराना दुकानों पर वाली की ठंडा की बोतलों की तर्ज पर देशी शराब विकते हुये देखा जाना चर्चा का विषय बनाने से नही चूक रहा है..?इसी का परिणाम है कि सालीचौका क्षेत्र में शराब सेवन करने वाले नौजवानों की तादाद बढ़ती चली जा रही है। शराब की जनप्रियता का आलम यह है कि मदिरा पीना अब फैशन में तब्दील होने से सुरा प्रेमियों के क्रिया कलापो पर कम ही ध्यान दिया जा रहा है पर दुर्भाग्य से अब यह सच्चाई उजागर होने से रूक नही पा रही है कि गांव गांव शराब का निर्वाध विक्रय से सामाजिक माहौल तो बिगड़ ही रहा है। क्योंकि क्षेत्र में चल रहे शराब के अवैध कारोबार से नशा युवाओं, किशोरों का स्वास्थ्य भी चौपट कर घरों को तबाह करने में कोई कसर नही छोड़ रहा है। क्योंकि शराब के गांव गांव विक्रय होने से अनेक परिवार बर्बादी की कगार पर पहुंचने से नही बच पा रहे है। युवाओं में नशे के कारण समाज की मर्यादाएँ तार तार हो रही है और क्षेत्र में अशोभनीय घटनाएँ घटित होना आम बात बन चुकी है..? नशे के दुष्परिणामों का असर सिर्फ शहर में ही नहीं बल्कि क्षेत्र के गांवो में सरेआम जाम छलका कर अपना समय व्यर्थ गँवाने लगे है। हालत यह हो गये है कि शहर, गांवो की रौनक को विनष्ट करने वाले नशे की रोकथाम में नेताओं, प्रशासनिक अधिकारियो सहित समाजसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि नाकाम साबित हो रहे है और नशामुक्ति अभियानों को भी पलीता लगने से नही चूक रहा है..? इस तरह सालीचोका क्षेत्र में गुणवत्ताहीन पन्नी पाऊच में पैग शराब की विक्री पर कार्यवाही नही होने से लोग यह अनुमान लगाने से नही चूक रहे है कि शायद जिम्मेदार अधिकारियों की कुंभकर्णी निंद्रा तब भंग होगी जो यहां पर लोगों की जिन्दगी खतरे में पड़ने के साथ सागर जैसे हालत निर्मित हो चुके होगे...?



चैक बाउंस होने पर न्यायालय ने आरोपी को सुनाई एक साल के कारावास सहित राशि जमा करने की सजा, बैक अधिवक्ता कौरव ने की पैरवी

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। स्थानीय न्यायालय की न्यायिक मजिस्ट्रट प्रथम श्रेणी प्रमिला राय द्वारा चैक बाउंस मामले में पंजाब बैक के अधिवक्ता आर के कौरव की तर्को से सहमत होते हुये अभियुक्त को एक साल के साधारण कारावास सहित प्रतिकर की राशि अदायगी का निर्णय सुनाया गया है। इस संबंध में बैक की ओर से अधिकृत अधिवक्ता आर के कौरव द्वारा अपनी जानकारी में बताया है कि अभियुक्त विमलेश कौरव निवासी ग्राम बगलई के विरूद्व 138 परक्राम्य लिखत अधिनियम 1881 के अधीन आरोप है कि परिवादी से लिये गये ऋण या अन्य दायित्वो के उन्नमोचन के लिये परिवादी को पंजाब नेशनल बैंक शाखा गाडरवारा का चैक की राशि तीन लाख पचास हजार दिनांक 26 जुलाई 2019 को भुगतान हेतु प्रदान किया गया था जो परिवादी द्वारा बैक भुगतान हेतु बैक में जमा करने पर उक्त चैक को बैक द्वारा Funds Insufficient की टीम के साथ अनादृत होकर वापिस कर दिया गया था। इसके बाद परिवादी द्वारा अभियुक्त को नोटिस जारी करते हुये 15 दिन के भीतर को उक्त राशि अदा करने की बात कही गई मगर इसके बाद भी राशि नही दिये जाने पर बैक द्वारा न्यायायल में परिवाद लगाया गया था। इस परिवाद की सुनवाई करते हुये स्थानीय न्यायायल की न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी मा. प्रमिला राय द्वा बैक के अधिवक्ता आर के कौरव की ओर से प्रस्तुत किये साक्ष्य व तर्को से सहमत होते हुये अभियुक्त बिमलेश कौरव निवासी बगलई को धारा 138 परक्राम्य लिखत अधिनियम के अंतर्गत दण्डीय अपराध के आरोप में दोषसिद्व करते हुये अभियुक्त के द्वारा परिवादी से ली गई राशि तीन लाख पचास हजार के भुगतान न करने से विगत सात वर्ष से परिवादी को हुई आर्थिक क्षति एवं प्रकरण के निराकरण में हुई देरी को ध्यान में रखते हुये अभियुक्त को एक साल का साधारण कारावास एवं चैक प्रदत्त दिनांक से निर्णय दिनांक तक ब्याज न्यायालय शुल्क एवं बाद व्यय सहित राशि पांच लाख सन्तान्यवे हजार पांच सौ सतत्तर रूपया का प्रतिकर आरोपित किया जाता है।

देवरी माल में 4.88 एकड़ शासकीय भूमि पर अतिक्रमण का आरोप, कार्रवाई का इंतजार

पांच स्थानों पर कब्जे की शिकायत, ग्रामीणों ने सात दिन का दिया अल्टीमेटम

अमरपुर। जनपद पंचायत अमरपुर की ग्राम पंचायत देवरी माल में शासकीय भूमि और सार्वजनिक रास्तों पर कथित अतिक्रमण का मामला सामने आया है। ग्रामीणों ने करीब 4.88 एकड़ शासकीय भूमि सहित विभिन्न स्थानों पर कब्जे की शिकायत करते हुए राजस्व विभाग से सीमांकन और नियमानुसार कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि पूर्व में अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए जाने के बावजूद अब तक प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई है।ग्रामीणों के अनुसार, खसरा नंबर 22, 428 और 456 सहित अन्य स्थानों पर कथित अतिक्रमण के कारण सार्वजनिक रास्तों और शासकीय भूमि के उपयोग में परेशानी हो रही है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि कुछ स्थानों पर जेसीबी से जमीन समतल कर उसे खेती योग्य बनाया गया है। वहीं, शासकीय मार्ग पर पक्का मकान निर्माण और सड़क किनारे अस्थायी दुकाननुमा ढांचा खड़ा किए जाने की बात भी कही गई है।



पांच स्थानों पर अतिक्रमण की शिकायत

ग्रामीणों ने खसरा नंबर 456 पर शासकीय मुरुम मार्ग बाधित किए जाने की शिकायत की है। उनका कहना है कि इससे खेतों तक आने-जाने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। खसरा नंबर 428 स्थित शासकीय मार्ग पर पक्का निर्माण किए जाने तथा सड़क किनारे मकान और अस्थायी ढांचे बनाए जाने के आरोप भी लगाए गए हैं।शिकायत में खसरा नंबर 22 की करीब 4.88 एकड़ भूमि पर जेसीबी से समतलीकरण कर कब्जा किए जाने की आशंका जताई गई है। ग्रामीणों का दावा है कि यह भूमि गरीबों के लिए आरक्षित थी। हालांकि, भूमि की वास्तविक स्थिति, आरक्षण संबंधी विवरण और कथित अतिक्रमण की पुष्टि राजस्व अभिलेखों एवं स्थल निरीक्षण के बाद ही हो सकेगी।

सात दिन में कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन की चेतावनी

ग्रामीणों का कहना है कि शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने के लिए पहले भी शिकायतें की गई थीं, लेकिन अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने से नाराजगी बढ़ रही है। उन्होंने प्रशासन से संबंधित खसरों का सीमांकन कराने, सार्वजनिक रास्तों की स्थिति स्पष्ट करने और अतिक्रमण की पुष्टि होने पर नियमानुसार बेदखली की कार्रवाई करने की मांग की है।ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि सात दिन के भीतर अतिक्रमण नहीं हटाया गया तो वे अमरपुर उपतहसील कार्यालय का घेराव करेंगे और समनापुर-अमरपुर मुख्य मार्ग पर चक्काजाम कर विरोध जताएंगे।इस संबंध में अमरपुर के नायब तहसीलदार ने बताया कि संबंधित पक्षों को नोटिस जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि यदि संबंधित लोग स्वयं अतिक्रमण नहीं हटाते हैं, तो राजस्व विभाग नियमानुसार कार्रवाई करते हुए अतिक्रमण हटवाएगा।फिलहाल, मामले में राजस्व विभाग की कार्रवाई और स्थल निरीक्षण का इंतजार है। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि शिकायत में उल्लेखित भूमि का सीमांकन कब कराया जाता है और जांच में अतिक्रमण की पुष्टि होने पर प्रशासन क्या कदम उठाता है।

खबर संक्षेप

शहपुरा में 2 नवंबर से होगा तीन दिवसीय 'डिजिटल सखी' प्रशिक्षण कार्यक्रम

शहपुरा। ग्रामीण महिलाओं को डिजिटल तकनीक से जोड़ने, वित्तीय साक्षरता बढ़ाने और आजीविका के नए अवसरों से परिचित कराने के उद्देश्य से एक्शन फॉर सोशल एडवांसमेंट (ASA) द्वारा तीन दिवसीय 'डिजिटल सखी' प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना (PMDDKY) के अंतर्गत संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) के सहयोग से आयोजित यह प्रशिक्षण 2 से 4 नवंबर 2026 तक छाया पैलेस, शहपुरा, जिला डिंडोरी में होगा।

डिजिटल साक्षरता और वित्तीय समावेशन पर रहेगा जोर

प्रशिक्षण सह कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को डिजिटल सेवाओं के उपयोग के प्रति जागरूक करना और उन्हें डिजिटल तकनीक के प्रभावी इस्तेमाल के लिए सक्षम बनाना है। इसके माध्यम से महिलाओं को डिजिटल एवं वित्तीय सेवाओं की जानकारी देने के साथ कृषि संबंधी सलाह, सरकारी योजनाओं और विभिन्न ऑनलाइन सेवाओं तक उनकी पहुंच आसान बनाने पर जोर दिया जाएगा।प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना के अंतर्गत कृषि विकास, टिकाऊ कृषि पद्धतियों को प्रोत्साहित करने, किसान उत्पादक संगठनों (FPOs) को सशक्त बनाने और ग्रामीण आजीविका में सुधार के लिए विभिन्न पहल की जा रही हैं। इसी कड़ी में डिजिटल सखी प्रशिक्षण को ग्रामीण महिलाओं की क्षमता विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।इस पहल के माध्यम से महिलाओं को डिजिटल संसाधनों की बेहतर समझ विकसित करने और उनका उपयोग दैनिक जीवन एवं आजीविका से जुड़ी आवश्यकताओं में करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। साथ ही, डिजिटल सेवाओं तक पहुंच बढ़ने से महिलाओं की आर्थिक गतिविधियों में भागीदारी और वित्तीय समावेशन को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को डिजिटल रूप से सक्षम बनाकर उन्हें अपने परिवार और समुदाय के विकास में अधिक सक्रिय भूमिका निभाने के लिए तैयार करना है।

डॉ. अल्का झारिया ने नीट पीजी में हासिल की सफलता

शहपुरा। मेहनत, लगन और दृढ़ संकल्प के दम पर सफलता हासिल करने वाली डॉ. अल्का झारिया ने चिकित्सा क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल कर जिले का मान बढ़ाया है। इस वर्ष आयोजित नीट पीजी परीक्षा में सफलता प्राप्त करने के बाद उनका चयन हरियाणा के प्रतिष्ठित पंडित भगवत दयाल शर्मा स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान (पीजीआईएमएस), रोहतक में एमडी पाठ्यक्रम के लिए हुआ है। उनकी इस उपलब्धि से परिजनों, मित्रों, शुभचिंतकों और क्षेत्रवासियों में हर्ष का माहौल है।डॉ. अल्का झारिया सेवानिवृत्त निरीक्षक एस.के. झारिया की पुत्री हैं। उन्होंने कक्षा 12वीं तक की शिक्षा जवाहर नवोदय विद्यालय, बड़वारा से प्राप्त की। इसके बाद नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज, जबलपुर से एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी कर चिकित्सा के क्षेत्र में अपना करियर बनाया।



सेवाओं के साथ जारी रखी उच्च शिक्षा की तैयारी

वर्तमान में डॉ. अल्का झारिया शहपुरा क्षेत्र के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी), बिछिया में अपनी चिकित्सकीय सेवाएं दे रही हैं। शासकीय स्वास्थ्य सेवाओं की जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए उन्होंने उच्च शिक्षा के अपने लक्ष्य की दिशा में प्रयास जारी रखे। उनकी मेहनत और लगन का परिणाम नीट पीजी परीक्षा में सफलता के रूप में सामने आया। अब उनका चयन एमडी पाठ्यक्रम के लिए पीजीआईएमएस रोहतक में हुआ है।डॉ. अल्का झारिया की यह उपलब्धि उनके परिवार के लिए गर्व का विषय होने के साथ-साथ डिंडौरी जिले और शहपुरा क्षेत्र के लिए भी गौरवपूर्ण है। उनकी सफलता उन युवाओं, विशेषकर बेटियों के लिए प्रेरणा है, जो कठिन परिश्रम और निरंतर प्रयासों के माध्यम से चिकित्सा एवं अन्य व्यावसायिक क्षेत्रों में अपना भविष्य संवारना चाहते हैं।

बिना खाद्य पंजीयन चल रहा सुपर मार्केट बंद, 9 खाद्य नमूने जांच के लिए लिए



डिंडौरी। जिले में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग ने गुरुवार को विभिन्न होटलों, मिठाई दुकानों और किराना प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। इस दौरान बिना खाद्य पंजीयन संचालित पाए गए एक सुपरमार्केट का कारोबार बंद कराया गया, जबकि अलग-अलग प्रतिष्ठानों से खाद्य पदार्थों के कुल नौ नमूने जांच के लिए लिए गए।कलेक्टर के निर्देशन एवं डिप्टी कलेक्टर के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने प्रतिष्ठानों में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा मानकों की जांच की। निरीक्षण के दौरान रितु होटल से खोवा बर्फी, न्यू खेतेश्वर स्वीट्स से कलाकंद तथा रुचि स्वीट्स से मलाई कतली, टोस्ट और नमकीन के नमूने लिए गए। मदन होटल से उपयोग किए गए तेल का नमूना भी जांच के लिए लिया गया। यहां अस्वच्छता मिलने पर संचालक को सुधार सूचना नोटिस जारी किया गया।न्यू खेतेश्वर स्वीट्स में दही, रसमलाई और खोवा बर्फी की मौके पर जांच की गई, जबकि रुचि स्वीट्स में दूध के दो नमूनों सहित पनीर, दही, चीज और मलाई कतली की जांच की गई। विभाग के अनुसार, मौके पर जांच के दौरान संबंधित खाद्य पदार्थ सही पाए गए।

आरटीओ कार्यालय के पास संचालित भानु मार्ट बिग डील सुपरमार्केट बिना खाद्य पंजीयन के चलता पाया गया। इस पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के प्रावधानों के तहत आवश्यक पंजीयन प्रस्तुत किए जाने तक प्रतिष्ठान का संचालन तत्काल प्रभाव से बंद कराया गया। संबंधित फर्म को नोटिस जारी कर प्रकरण भी पंजीबद्ध किया गया। यहां से गुलाब जामुन, खड़ी लाल मिर्च और टोस्ट के नमूने जांच के लिए लिए गए।विभाग द्वारा लिए गए सभी नौ नमूनों को जांच के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, भोपाल भेजा जाएगा। प्रयोगशाला की रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने खाद्य प्रतिष्ठान संचालकों को स्वच्छता बनाए रखने, खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन करने तथा आवश्यक पंजीयन एवं लाइसेंस संबंधी नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

मेकलसुता कॉलेज में युवा संगम विद्यार्थियों ने ली तंबाकू मुक्त रहने की शपथ

डिंडौरी। युवाओं को तंबाकू सेवन के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से मेकलसुता कॉलेज, डिंडौरी में युवा संगम कार्यक्रम आयोजित किया गया। तंबाकू मुक्त युवा अभियान 4.0 के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने तंबाकू से दूर रहने और समाज को तंबाकू मुक्त बनाने का संकल्प लिया।



इस दौरान जागरूकता रैली निकालकर लोगों को तंबाकू सेवन से होने वाले नुकसान की जानकारी भी दी गई।तंबाकू मुक्त युवा अभियान 4.0 का संचालन 28 अक्टूबर से 26 दिसंबर 2026 तक किया जा रहा है। अभियान के तहत कलेक्टर के निर्देश और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने विद्यार्थियों को तंबाकू सेवन से होने वाले स्वास्थ्य संबंधी दुष्परिणामों से अवगत कराया। कार्यक्रम के दौरान युवाओं से स्वयं तंबाकू का सेवन नहीं करने और अपने परिवार, मित्रों तथा आसपास के लोगों को भी इसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने की अपील की गई। वक्ताओं ने स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और नशे से दूर रहकर समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में युवाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया।कार्यक्रम में कॉलेज के प्राचार्य, एनटीसीपी नोडल अधिकारी डॉ. धर्मवीर मार्को, काउंसलर पूनम सिंह तथा जिला पंचायत की नशा मुक्ति काउंसलर रितु सेन सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को तंबाकू मुक्त जीवन अपनाने और जनजागरूकता अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने का संदेश दिया गया।

कृषि विज्ञान केंद्र डिंडोरी में तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

डिंडोरी। पशुधन के बेहतर स्वास्थ्य, संक्रामक रोगों की रोकथाम और मानव स्वास्थ्य की सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से कृषि विज्ञान केंद्र, डिंडोरी में तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के अंतर्गत संचालित कृषि विज्ञान केंद्र में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) के राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशुरोग संस्थान, भोपाल द्वारा आदिवासी उपयोजना के तहत 27 से 29 अक्टूबर तक आयोजित इस कार्यक्रम में जिले के विभिन्न गांवों की 100 अनुसूचित जनजाति की महिला कृषकों ने भाग लिया।



वैज्ञानिक पशुपालन और रोगों की रोकथाम पर जोर

"पशुधन एवं मानव स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए आदिवासी महिलाओं का सशक्तिकरण" विषय पर आयोजित प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य महिला कृषकों को पशुओं के स्वास्थ्य, उचित देखभाल, संक्रामक रोगों की पहचान एवं रोकथाम तथा पशुजन्य रोगों से मानव स्वास्थ्य की सुरक्षा के प्रति जागरूक करना था। प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं को स्वच्छ एवं सुरक्षित पशुपालन पद्धतियों, संतुलित आहार और वैज्ञानिक पशुधन प्रबंधन की जानकारी देकर पशुओं की उत्पादकता बढ़ाने के लिए प्रेरित किया गया।प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. शालिनी चक्रवर्ती ने पशुधन के स्वास्थ्य संरक्षण, प्रमुख पशु रोगों की पहचान और समय पर उपचार के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पशुपालन में स्वच्छता, संतुलित पोषण और वैज्ञानिक प्रबंधन अपनाकर पशुओं को स्वस्थ रखने के साथ उनकी उत्पादकता में भी सुधार किया जा सकता है।कृषि विज्ञान केंद्र, डिंडोरी के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. के.के. देशमुख ने कृषि एवं पशुपालन को ग्रामीण आजीविका का महत्वपूर्ण आधार बताया। उन्होंने महिला कृषकों को पशुधन प्रबंधन की उन्नत तकनीकें अपनाने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि पशुओं को उचित पोषण देने और साफ-सफाई का ध्यान रखने से पशुधन की उत्पादकता बढ़ाने के साथ कृषक परिवारों की आय में वृद्धि करने में भी मदद मिल सकती है।

पशुजन्य रोगों से बचाव के बताए उपाय

प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. अतुल पटेरिया ने पशुओं से मनुष्यों में फैलने वाले रोगों, उनके संक्रमण के माध्यमों और बचाव के उपायों की जानकारी दी। उन्होंने पशुओं के संपर्क में रहते समय स्वच्छता बनाए रखने, सुरक्षित तौर-तरीके अपनाने और बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर समय पर पशु चिकित्सक से परामर्श लेने की आवश्यकता बताई। उन्होंने पशुधन और मानव स्वास्थ्य के परस्पर संबंध को रेखांकित करते हुए रोगों की रोकथाम के प्रति सतर्क रहने का संदेश दिया।आदिवासी उपयोजना के नोडल अधिकारी अवधेश पटेल ने बताया कि प्रशिक्षण में जिले के विभिन्न गांवों की 100 अनुसूचित जनजाति की महिला कृषकों ने सहभागिता की। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं के ज्ञान और कौशल को बढ़ाकर उन्हें पशुधन एवं मानव स्वास्थ्य की सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाना है, ताकि वे अपने परिवार और समुदाय के स्वास्थ्य संरक्षण के साथ आजीविका संवर्धन में भी प्रभावी भूमिका निभा सकें। उन्होंने प्रशिक्षण से प्राप्त जानकारी को अपने गांवों की अन्य महिलाओं तक पहुंचाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में सिंजेंटा फाउंडेशन के प्रतिनिधि सुरजीत यादव, डॉ. यासिर रेदर और शैलेंद्र सिंह सहित अन्य कृषक भी उपस्थित रहे। प्रतिनिधियों ने ग्रामीण एवं जनजातीय क्षेत्रों में जागरूकता, प्रशिक्षण और क्षमता विकास के महत्व पर जोर दिया।तीन दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान महिला कृषकों को पशुधन एवं मानव स्वास्थ्य की सुरक्षा से संबंधित उपयोगी जानकारी देने के साथ प्रशिक्षण सामग्री का वितरण भी किया गया। कार्यक्रम का समापन वैज्ञानिक पशुपालन पद्धतियों, स्वच्छता और रोगों से बचाव संबंधी जानकारियों को दैनिक जीवन में अपनाने तथा अन्य ग्रामीण महिलाओं तक पहुंचाने के संदेश के साथ हुआ।



शहपुरा नगर परिषद के निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल

शहपुरा। नगर परिषद शहपुरा द्वारा लाखों रुपये की लागत से महंगी दाई तालाब में निर्मित कराई गई बाउंड्री वॉल की बदहाल स्थिति ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। दीवार की तस्वीरें सामने आने के बाद निर्माण कार्य में इस्तेमाल की गई सामग्री और गुणवत्ता की जांच की मांग उठ रही है। दीवार कई स्थानों पर बुरी तरह क्षतिग्रस्त दिखाई दे रही है। कहीं प्लास्टर उखड़ चुका है, तो कहीं दीवार का हिस्सा टूटकर खुल गया है।तस्वीरों में बाउंड्री वॉल के बड़े हिस्से में दरारें और टूट-फूट स्पष्ट दिखाई दे रही हैं। दीवार की ऐसी स्थिति को देखते हुए निर्माण कार्य की तकनीकी गुणवत्ता की जांच जरूरी हो गई है। सवाल यह है कि निर्माण में निर्धारित मानकों का पालन किया गया था या नहीं और यदि कार्य गुणवत्तापूर्ण था, तो दीवार इस हालत में कैसे पहुंची?स्थानीय नागरिकों ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए संबंधित अधिकारियों से जवाबदेही तय करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि सार्वजनिक निर्माण कार्यों पर खर्च होने वाली सरकारी राशि का उपयोग निर्धारित मानकों के अनुसार होना चाहिए। यदि निर्माण में किसी तरह की अनियमितता हुई है, तो उसकी निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदारों के विरुद्ध कार्रवाई की जानी चाहिए।

गुरैया पंचायत में कथित अनियमितताओं की जांच में देरी, SDM ने CEO को भेजा स्मरण पत्र

शहपुरा। जनपद पंचायत शहपुरा की ग्राम पंचायत गुरैया में विभिन्न निर्माण कार्यों में कथित वित्तीय अनियमितताओं और शासकीय राशि के दुरुपयोग को लेकर की गई शिकायत पर जांच में देरी का मामला सामने आया है। अमृत सरोवर, गेबियन स्ट्रक्चर, मिनी परकुलेशन टैंक, चेकडैम, सीसी सड़क और स्वागत द्वार सहित कई निर्माण कार्यों में अनियमितता की आशंका जताते हुए इनके निर्माण और भुगतान से संबंधित अभिलेखों की जांच की मांग की गई है।

जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत नहीं होने पर शहपुरा के अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) ने जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (CEO) को स्मरण पत्र जारी किया है।27 अक्टूबर 2026 को जारी पत्र में संबंधित अधिकारी को 21 कार्य दिवस के भीतर स्पष्ट एवं बिंदुवार जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। अब जांच की समयसीमा और संबंधित निर्माण कार्यों के भौतिक सत्यापन को लेकर कार्रवाई पर नजर रहेगी।

42.15 लाख के अमृत सरोवर सहित कई कार्य जांच के दायरे में

शिकायत में ग्राम पंचायत गुरैया में कराए गए विभिन्न निर्माण कार्यों पर खर्च की गई राशि का उल्लेख करते हुए उनकी गुणवत्ता, उपयोगिता और भुगतान प्रक्रिया की जांच कराने की मांग की गई है। शिकायत के अनुसार, अमृत सरोवर निर्माण पर करीब 42.15 लाख रुपये खर्च किए गए। वहीं, गेबियन स्ट्रक्चर पर लगभग 4.80 लाख रुपये तथा अतिरिक्त 7.20 लाख रुपये के व्यय का भी उल्लेख किया गया है।इसके अलावा मिनी परकुलेशन टैंक निर्माण पर करीब 12.40 लाख रुपये और वर्ष 2019-20 में एक अन्य मिनी परकुलेशन टैंक पर लगभग 19 लाख रुपये खर्च होने की बात कही गई है। एक चेकडैम निर्माण पर करीब 22 लाख रुपये व्यय किए जाने का उल्लेख करते हुए शिकायतकर्ता ने इन कार्यों का स्थल निरीक्षण कर वास्तविक स्थिति का आकलन करने की मांग की है।शिकायत में स्वागत द्वार



निर्माण पर लगभग 4.80 लाख रुपये, सीसी सड़क निर्माण पर करीब 3 लाख रुपये और साठिया टोला में सीसी सड़क निर्माण पर लगभग 1.60 लाख रुपये खर्च किए जाने का जिक्र है।शिकायतकर्ता के अनुसार, सभी निर्माण कार्यों की प्रशासनिक एवं तकनीकी स्वीकृति, मूल्यांकन रिपोर्ट, भुगतान विवरण और मौके पर मौजूद निर्माण की स्थिति का मिलान किया जाना चाहिए। इससे यह स्पष्ट हो सकेगा कि स्वीकृत राशि के अनुरूप कार्य कराया गया है या नहीं और निर्माण की गुणवत्ता निर्धारित मानकों के अनुसार है या नहीं।शिकायत में कुछ निर्माण कार्यों के नाम पर कथित तौर पर फर्जी बिल-वाउचर अथवा अन्य दस्तावेजों के आधार पर शासकीय राशि निकाले जाने की आशंका जताई गई है। इस संबंध में सप्लायरों के बिल, भुगतान अभिलेख, मस्टर रोल और अन्य संबंधित दस्तावेजों का सत्यापन कराने की मांग की गई है।इसके साथ ही शिकायतकर्ता ने सरपंच, सचिव और अन्य संबंधित कर्मचारियों की भूमिका की जांच करने की भी मांग उठाई है। हालांकि, इन आरोपों की अभी जांच होनी है। शिकायत में लगाए गए आरोपों को प्रमाणित अनियमितता नहीं माना जा सकता। वास्तविक स्थिति अभिलेखों की जांच, निर्माण कार्यों के भौतिक सत्यापन और संबंधित पक्षों के जवाब के बाद ही स्पष्ट होगी।एसडीएम की ओर से स्मरण पत्र जारी किए जाने के बाद अब जनपद पंचायत स्तर पर होने वाली कार्रवाई महत्वपूर्ण मानी जा रही है। जांच के दौरान निर्माण कार्यों की वास्तविक स्थिति, स्वीकृत राशि और किए गए व्यय का मिलान, बिल-वाउचर की प्रामाणिकता तथा भुगतान प्रक्रिया की पड़ताल अहम होगी।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

10

जबलपुर, शुक्रवार 30 अक्टूबर 2026

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

करवा चौथ पर चांद के दीदार का हुआ लंबा इंतजार

पति की दीर्घायु हेतु सुहागिनों ने रखा निर्जला व्रत

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

प्रेम, विश्वास और अटूट समर्पण के पावन पर्व करवाचैथ पर सुहागिन महिलाओं ने अपने पति की लंबी उम्र और सुखमय वैवाहिक जीवन की मंगलकामना के साथ दिनभर निर्जला उपवास रखा। इस वर्ष मौसम के प्रतिकूल रहने और आसमान में घने बादल छाए रहने के कारण महिलाओं को चंद्र दर्शन के लिए काफी लंबा इंतजार करना पड़ा। बादलों और चांद के बीच चली लुकाछिपी के बाद जब देर रात चांद के दीदार हुए, तब सुहागिनों ने छलनी से चंद्रमा और पति का चेहरा देखकर विधि-विधान से पूजा की तथा अर्घ्य देकर अपना व्रत संपन्न किया। इस दौरान पारंपरिक उल्लास, आस्था और पारिवारिक सौहार्द का अनूठा वातावरण देखने को मिला। करवा चौथ को लेकर महिला में काफी उत्साह देखने को मिला, करवा चौथ को लेकर महिलाओं द्वारा बीते दो दिन पूर्व से तैयारियां प्रारंभ कर दी गई।

सुबह से शुरू हुईं व्रत की तैयारियां

करवा चौथ को लेकर महिलाओं में विशेष उत्साह रहता है। व्रत रखने वाली महिलाएं सुबह से ही पूजन और अन्य तैयारियों में जुट जाती हैं। कई महिलाएं पारंपरिक परिधान, आभूषण, चूड़ियों और मेहंदी से साज-श्रृंगार करती हैं। जिन महिलाओं का पहला करवाचैथ होता है, उनके लिए यह पर्व विशेष महत्व रखता है। परिवारों में भी इस अवसर को लेकर उत्साह रहता है। महिलाएं दिनभर निर्जला व्रत रखकर शाम को विधि-विधान से पूजा करती हैं और चंद्रदर्शन के बाद व्रत का पारण करती हैं। सुहागिन महिलाओं द्वारा सुबह से व्रत धारण कर पूजन की तैयारियां की गई। पूरे दिन घर पर धार्मिक माहौल भी नजर आया महिलाओं के साथ बच्चों में भी



करवा चैथ को लेकर उत्साह देखा गया।

पूजन सामग्री का हुआ जमकर विक्रय

करवाचैथ के अवसर पर बाजारों में पूजन सामग्री और महिलाओं के श्रृंगार से जुड़ी वस्तुओं की मांग रही। मिट्टी के करवे, दीपक, पूजन थाली, छलनी, कैलेंडर तथा अन्य पूजन सामग्री के साथ साड़ी, परिधान, आभूषण, चूड़ियां और मेहंदी महिलाओं की पसंद में शामिल रहते हैं। ब्यूटी पार्लर और मेहंदी लगाने वालों के यहां भी इस पर्व पर ग्राहकों की आवाजाही बढ़ती है। त्योहार के कारण बाजारों में रौनक देखने को मिलती है और दुकानदारों को कारोबार बढ़ने की उम्मीद रहती है। करवा चैथ को लेकर दिन भर बाजार में रौनक बनी रही। वही शाम होते ही घरों की छत पर चहल पहल नजर आने लगी थी। मेन रोड में सड़क किनारे स्थित दर्जनों अस्थायी दुकानों में मिट्टी के करवा बिकने आये जिन पर दिनभर भीड़ का क्रम निरंतर रहा।



महिलाओं में दिखा उत्साह

सम्पूर्ण जिलें में करवा चौथ की धूम देखी गई खासकर महिलाओं में काफी उत्साह देखा गया। महिलाओं द्वारा बाजार में जमकर खरीदी गई। साल भर लंबे इंतजार के बाद आज गुरूवार को करवा चौथ मनाने को लेकर सुहागिन महिलाओं में खासा उत्साह देखा गया। खासतौर से जिनका यह पहला पर्व है। वह इसकी विशेष तैयारियां के साथ व्रत रखा। करवा चौथ को और अधिक यादगार बनाने के लिए सुहागिनों ने इसकी तैयारियां सप्ताह भर पहले से शुरू कर दी थीं। वे खुद को सजाने संवारने की कवायद में जुटी थी। उनके द्वारा उत्साह के साथ बाजार जाकर खरीददारी की गई। करवा चौथ पर्व के मद्देनजर विक्रेताओं द्वारा बुलवाये गये रंग-बिरंगे करवा, दीपक व अन्य पूजन सामग्री महिलाओं को खूब भाये और जमकर बिक्री हुई। इन्ही दुकानों पर सीके, करवा चैथ पूजन कैलेंडर तथा अन्य पूजन सामग्री भी उपलब्ध रहे सराफा बाजार में भी अनेक महिलाएं आभूषणों की खरीदारी करते दिखीं रेडीमेड गारमेंट्स से लेकर साड़ी शोरूम तक महिला ग्राहकों से गुलजार रहे। चूड़ी विक्रेता भी काफी व्यस्त रहे। ब्यूटी पार्लर में भी अत्याधिक भीड़ रही, वहीं डिजाइनर मेंहदी लगाने वाले भी व्यस्त रहे।

दांपत्य जीवन में विश्वास का प्रतीक

नवरात्रि व शरद पूर्णिमा के बाद आने वालों में व्रतों में करवाचैथ का व्रत प्रमुख है। आज करवाचैथ पर विवाहित महिलाएं सुबह से निर्जला व्रत धारण कर शाम को चंद्र दर्शन एवं पति के हाथ से पानी पीकर अपना व्रत तोड़ेंगी। हिंदू परंपरा में विवाहित महिलाओं के प्रमुख व्रतों में शामिल है। यह कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को मनाया जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, महिलाएं पति की दीर्घायु, सुख-समृद्धि और दांपत्य जीवन की मंगलकामना के लिए यह व्रत रखती हैं। दिनभर उपवास के बाद शाम को पूजन किया जाता है और चंद्रमा को अर्घ्य देकर व्रत खोला जाता है। पूजन की विधि और पारिवारिक परंपराओं में क्षेत्र के अनुसार अंतर भी देखने को मिलता है, जो इस प्राचीन संस्कृति की विविधता को दर्शाता है। करवा चौथ केवल उपवास और पूजन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह दांपत्य जीवन में प्रेम, विश्वास और आपसी सहयोग के महत्व को भी रेखांकित करता है। आज कई परिवारों में पति भी पत्नी के प्रति सम्मान और सहभागिता व्यक्त करते हुए व्रत की तैयारियों में साथ देते हैं। बदलते सामाजिक परिवेश में पर्व को लेकर विचार और परंपराएं विविध रूप ले रही हैं, फिर भी अनेक महिलाओं के लिए करवाचैथ आस्था, पारिवारिक जुड़ाव और अपने जीवनसाथी के प्रति मंगलकामना व्यक्त करने का विशेष अवसर बना हुआ है।

मक्का तुलाई में देरी, बारिश की आशंका से किसानों बढ़ी की चिंता

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कृषि उपज मंडी में मक्का बेचने पहुंचे किसानों को तुलाई के लिए दो से छह दिन तक इंतजार करना पड़ रहा है। आवक बढ़ने और तुलाई की धीमी रफ्तार से मंडी में जगह की कमी हो गई है। कई किसान ट्रैक्टर-ट्रॉली के साथ खुले आसमान के नीचे रात बिताने को मजबूर हैं। मंडी रोड पर बार-बार जाम लगने से आम लोगों को भी परेशानी हुई। अब आसमान में छाए बादलों और गुरुवार को बारिश की संभावना ने खुले में रखी उपज को लेकर किसानों की चिंता बढ़ा दी है। भूत पिपरिया के किसान संजय पटेल 50 क्विंटल मक्का लेकर मंडी पहुंचे हैं। उन्होंने बताया कि तुलाई में देरी से भीड़ बढ़ रही है और जाम लग रहा है। मलाह पिपरिया के कमलेश पटेल 25 क्विंटल मक्का लेकर दो दिन से इंतजार कर रहे हैं। उनके अनुसार, व्यापारियों का माल शेड से नहीं उठने के कारण ट्रैक्टर खड़ा करने की जगह भी नहीं मिल रही है। कोसमखेड़ा के धर्मेंद्र तिवारी की मक्का की बोली लग चुकी है, लेकिन तीन दिन से तुलाई नहीं हुई है। वहीं, झिरीकला के प्रशांत यादव को इंतजार करते छह दिन हो चुके हैं। किसानों का कहना है कि तौल कांटों और तुलैयों की कमी तथा शेडों में व्यापारियों का माल जमा रहने से समस्या बढ़ रही है। मौसम के पूर्वानुमान में आज गुरुवार को छिटपुट बारिश की संभावना जताई गई है। ऐसे में खुले आसमान के नीचे रुके किसानों को उपज भीगने की चिंता सता रही है। किसानों ने मंडी प्रबंधन से तुलाई तेज कराने, उपज रखने के लिए पर्याप्त जगह उपलब्ध कराने और भुगतान में देरी दूर करने की मांग की है।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर दिलाई जाएगी राष्ट्रीय एकता की शपथ

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। राज्य शासन के सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देशानुसार भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर 31 अक्टूबर को जिले में राष्ट्रीय एकता दिवस का गरिमामय आयोजन किया जाएगा। राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय नरसिंहपुर में प्रातः 8 बजे से रन फॉर यूनिटी (एकता दौड़) आयोजित की जाएगी। जिले के सभी शासकीय एवं अशासकीय कार्यालयों, महाविद्यालयों तथा विद्यालयों में प्रातः 11 बजे से राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई जाएगी। इस अवसर पर विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए एक भारत, श्रेष्ठ भारत तथा युवाओं की राष्ट्रीय एकता में भूमिका विषयों पर निबंध, भाषण, प्रश्नोत्तरी एवं पोस्टर-स्लोगन प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इस संबंध में अपर कलेक्टर अरविंद कुमार सिंह ने सभी संबंधित अधिकारियों को राष्ट्रीय एकता दिवस के आयोजन के लिए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के लिए कहा है।

संभाग स्तरीय विज्ञान नाटिका में उत्कृष्ट विद्यालय को मिला द्वितीय



हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस मध्यप्रदेश शासन स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा वैज्ञानिक गतिविधियों के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से विज्ञान नाटिका 2026 प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। इसी क्रम में संभाग जोन स्तरीय विज्ञान नाटिका प्रतियोगिता का आयोजन प्रगत शैक्षिक संस्थान जबलपुर में किया गया। जोन स्तरीय प्रतियोगिता की मुख्य विषय वस्तु विज्ञान और समाज रही, जिसके अंतर्गत कृत्रिम बुद्धिमत्ता, इलेक्ट्रिक व्हीकल, अंतरतारकीय आवास एवं महासागरों की बहाली जैसे समसामयिक विषयों पर छात्र-छात्राओं ने प्रभावशाली नाट्य प्रस्तुतियां दीं। जिला शिक्षा अधिकारी एवं प्राचार्य द्वारा कृत्रिम बुद्धिमत्ता विषय पर नाटिका का प्रस्तुतीकरण कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया।



14 लीटर हाथ भट्टी मदिरा व 560 किलो महुआ लहान जब्त

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशानुसार एवं प्रभारी जिला आबकारी अधिकारी बीएल उइके के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग द्वारा अवैध शराब के विरुद्ध कार्रवाई की गई। आबकारी आयुक्त के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत 28 अक्टूबर को वृत नरसिंहपुर अंतर्गत अवैध शराब के अड्डों पर दबिश देकर 14 लीटर हाथ भट्टी मदिरा एवं 560 किलोग्राम महुआ लाहन बरामद किया गया। कार्रवाई के दौरान मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 (संशोधित 2000) के प्रावधानों के तहत तीन प्रकरण पंजीबद्ध किए गए। इसी दौरान वृत अंतर्गत दो मदिरा दुकानों का सघन निरीक्षण भी किया गया। इस कार्रवाई में सहायक जिला आबकारी अधिकारी सतीश कुमार, आबकारी उप निरीक्षक सुश्री आकांक्षा धनोतिया, आबकारी मुख्य आरक्षक सदर सिंह बरकड़े, अनिल सिंह राठौर, नवल सिंह ठाकुर एवं महिला आरक्षक सुश्री गरिमा उपाध्याय उपस्थित रहे।

48 घंटे में बाबा का हत्यारा गिरफ्तार



हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। विगत दिवस थाना क्षेत्र मुंगवानी में सिद्धेश्वर धाम में सो रहे बाबा पर पत्थर से हमला कर की गई थी हत्या। थाना मुंगवानी को सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम कठौतिया हार स्थित सिद्धेश्वर धाम में बाबा कैलाश के सिर पर पत्थर से हमला किया गया था। उपचार के लिए जबलपुर ले जाने के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ पुलिस टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुँची। घटनास्थल का सूक्ष्म निरीक्षण करने हेतु एफएसएल टीम, डॉग स्क्वॉड एवं फिंगरप्रिंट टीम को बुलाया गया, जिनके द्वारा घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य संकलित किए गए। प्रारंभिक जाँच एवं गवाहों के कथनों से सामने आया कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने सो रहे बाबा के सिर पर पत्थर से हमला किया था जिससे उसकी मृत्यु हो गई। प्रकरण में साक्ष्यों के आधार पर हत्या का मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। मुखबिरों से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर संदिग्ध व्यक्तियों के संबंध में जानकारी जुटाई। जाँच के दौरान ग्राम पाठा निवासी सोमनाथ ठाकुर, पिता उजियार ठाकुर, उम्र 45 वर्ष के घटनास्थल पर देखे जाने तथा सिद्धेश्वर धाम में ठहरने वाले बाबाओं के संबंध में जानकारी लेने की बात सामने आई। पुलिस ने संदेही को तलाश कर अभिरक्षा में लिया और पूछताछ की। पूछताछ में आरोपी ने सिद्ध बाबा धाम में रहने वाले श्रीलाल ठाकुर के साथ जादू-टोने को लेकर पुरानी रंजिश होने की बात बताई। जिसके कारण आरोपी द्वारा कुटिया में सो रहे बाबा के सिर पर पास में पड़ा पत्थर पटककर हत्या करना स्वीकार किया गया है। आरोपी सोमनाथ ठाकुर, पिता उजियार ठाकुर, उम्र 45 वर्ष, निवासी ग्राम पाठा के विरूद्ध धारा 103 (1) बीएपएस के तहत प्रकरण पंजीवद्ध कर न्यायालय पेश किया गया।

आज मनाया जाएगा किसान उत्सव दिवस

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 24वीं किस्त वितरण 30 अक्टूबर को किया जाएगा। इस दिन पीएम किसान उत्सव दिवस के रूप में मनाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत हितग्राहियों को वर्ष में कुल 6 हजार रूपये की राशि तीन किस्तों में प्रदान की जाती है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 24 वीं किस्त का वितरण कार्यक्रम प्रधानमंत्री द्वारा 30 अक्टूबर को बनासकांठा, गुजरात से किया जायेगा। किसान सम्मान निधि की 24 वीं किस्त वितरण दिवस को देश में पीएम किसान उत्सव दिवस के रूप में मनाया जायेगा। इस संबंध में कलेक्टर ने जिला स्तरीय कार्यक्रम अनुविभागीय अधिकारी राजस्व नरसिंहपुर एवं ब्लाक स्तर पर सभी तहसीलदार व नायब तहसीलदार कार्यक्रम आयोजित करेंगे। इस आयोजित कार्यक्रम में विधायक, सांसद सहित अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधियों को जिला व ब्लाक स्तर पर आमंत्रित किया जाये। कार्यक्रम में प्रोजेक्टरद्ध बड़ी स्क्रीन के माध्यम से कार्यक्रम का प्रसारण किया जाए। कार्यक्रम से जुड़ने के लिए लिंक का उपयोग किया जा सकता है।

स्वामित्व योजना की रजिस्ट्री में सर्वर बना बाधा

अधिकारी कर्मचारी और हितग्राही हो रहे परेशान

तेंदूखेड़ा । स्वामित्व योजना के अंतर्गत मकानों की ई केवाईसी एवं रजिस्ट्री का कार्य इन दिनों तेजी से किया जा रहा है। योजना के तहत पात्र हितग्राहियों को उनके मकानों का वैधानिक अधिकार दिलाने के उद्देश्य से संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी लगातार प्रयासरत हैं। लेकिन दिन के समय सर्वर की धीमी गति और बार बार बाधित होने की समस्या इस महत्वपूर्ण कार्य में बड़ी परेशानी बनकर सामने आ रही है। इसके चलते जहां रजिस्ट्री का कार्य प्रभावित हो रहा है।

वहीं अधिकारी कर्मचारियों के साथ हितग्राहियों को भी देर शाम और रात तक इंतजार करना पड़ रहा है। बताया जा रहा है कि दिन के समय सर्वर की गति धीमी रहने अथवा सर्वर उपलब्ध नहीं होने के कारण रजिस्ट्री का कार्य सुचारु रूप से नहीं हो पा रहा है। वहीं शाम और रात के समय सर्वर की स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर होने पर कार्य किया जा रहा है। ऐसी स्थिति में अधिकारी एवं कर्मचारियों को निर्धारित कार्यालयीन समय के बाद भी रुककर काम करना पड़ रहा है। सर्वर की समस्या के कारण योजना का कार्य समय-सीमा में पूरा करना चुनौतीपूर्ण बना हुआ है।

कृषि प्रधान क्षेत्र में किसानों की बढ़ रही परेशानी

डोभी क्षेत्र कृषि प्रधान क्षेत्र है जहां ग्रामीणों की आजीविका मुख्य रूप से खेती पर निर्भर है। वर्तमान में खेतों में बोनी सहित अन्य कृषि कार्यों का दौर शुरू हो चुका है। ऐसे में किसान दिनभर खेतों में कार्य करने एवं करवाने के बाद रात के समय स्वामित्व योजना के अंतर्गत रजिस्ट्री कराने के लिए संबंधित अधिकारी कर्मचारियों के पास पहुंच रहे हैं। रात तक इंतजार करने की स्थिति से किसानों की दिनचर्या प्रभावित हो रही है। लगातार देर रात तक जागने और काम के बाद भी सरकारी प्रक्रिया के लिए इंतजार करने से उनके स्वास्थ्य एवं आराम पर भी प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका है। ग्रामीणों के लिए यह स्थिति दोहरी परेशानी पैदा कर रही है। एक ओर उन्हें खेती किसानी के जरूरी कार्य पूरे करने हैं वहीं दूसरी ओर मकानों की ई केवाईसी एवं रजिस्ट्री का महत्वपूर्ण कार्य भी कराना है। यदि दिन के समय सर्वर सुचारु रूप से काम करे तो किसानों और अन्य हितग्राहियों को काफी राहत मिल सकती है।

केवल ई-केवाईसी कराने पर होगी रजिस्ट्री

योजना से जुड़े कार्यों के संबंध में बताया गया है कि जिन हितग्राहियों की ई-केवाईसी की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, उन्हीं की रजिस्ट्री का कार्य किया जाना है। ऐसे में संबंधित हितग्राहियों से अपील की गई है कि वे जल्द से जल्द अपनी ई-केवाईसी की प्रक्रिया पूरी कराएं, ताकि मकानों की रजिस्ट्री का महत्वपूर्ण कार्य समय पर संपन्न हो सके। ई-केवाईसी अधूरी रहने पर रजिस्ट्री की प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है, इसलिए पात्र हितग्राहियों को इस कार्य में लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए।

स्थायी समाधान की जरूरत

स्वामित्व योजना ग्रामीणों के लिए महत्वपूर्ण योजना है। जिसके अंतर्गत मकानों से संबंधित आवश्यक प्रक्रिया पूरी की जा रही है। ऐसे में सर्वर की तकनीकी समस्या के कारण अधिकारी-कर्मचारियों और हितग्राहियों को अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ना चिंता का विषय है। यदि सर्वर की क्षमता और कार्यप्रणाली में सुधार कर दिन के समय निर्बाध सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं, तो न केवल रजिस्ट्री के कार्य में तेजी आएगी बल्कि किसानों को भी रात तक इंतजार करने से राहत मिलेगी।अब जरूरत इस बात की है कि सर्वर की समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाए।

सुबह-सुबह वारिस दिन भर छाये रहे बादल

धान और मक्का को छोड़कर खेती को लाभ



तेंदूखेड़ा। अर्नव तूफान को लेकर अचानक बिगड़े मौसम के मिजाज से तेंदूखेड़ा सहित आस पास ग्रामीण क्षेत्रों में गुरुवार को सुबह सुबह अचानक वारिस हो गई। और दिन भर बादल छाए रहे।इस वारिस को लेकर जहां धान की तैयार खड़ी उपज और थ्रेसिंग के बाद सड़कों पर सूख रही मक्का उपज को छोड़कर बाकी यह वारिस किसानों के लिए फायदेमंद साबित हो सकती है। खेतों को सुधारकर पलेवा के बाद रवि मौसम की फसलों की बुबाई शुरू हो गई है। किसान अपने ट्यूबवेल या नदी नालों से पानी खींचकर खेतों को सुधारने में लगे हुए हैं। हमारे प्रतिनिधि को अधिकांश किसानों ने बताया कि वर्तमान में खेतों को पानी की जरूरत है।अरहर फसल के लिए भी यह वारिस फायदेमंद है।

गोटेगांव में बने पत्रकार भवन, जनप्रतिनिधियों से पत्रकारों को उम्मीदपत्रकारों के बैठने

बैठक और कार्यक्रमों के आयोजन के लिए हो स्थायी व्यवस्था; शासकीय भूमि उपलब्ध कराकर भवन निर्माण कराने की मांग

गोटेगांव। नगर में पत्रकारों के लिए एक सुव्यवस्थित पत्रकार भवन की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही है। जिला मुख्यालयों और महानगरों की तर्ज पर गोटेगांव में भी पत्रकार भवन का निर्माण कराया जाना समय की मांग है। नगर के पत्रकारों को उम्मीद है कि जनप्रतिनिधि इस महत्वपूर्ण आवश्यकता पर ध्यान देते हुए पत्रकार भवन निर्माण की दिशा में सार्थक पहल करेंगे।पत्रकार भवन केवल बैठने की जगह नहीं, बल्कि विचार-विमर्श, समाचारों से संबंधित आवश्यक कार्यों, बैठकों और विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन का एक महत्वपूर्ण केंद्र भी होता है। ऐसे भवन के अभाव में पत्रकारों को सामूहिक रूप से बैठने और आवश्यक गतिविधियों के संचालन के लिए उपयुक्त स्थान की कमी महसूस होती है।बदलते समय और पत्रकारिता की बढ़ती जिम्मेदारियों को देखते हुए गोटेगांव में पत्रकार भवन की आवश्यकता और भी महत्वपूर्ण हो गई है। यदि नगर में शासकीय भूमि उपलब्ध कराकर भवन निर्माण की पहल की जाती है, तो इससे स्थानीय पत्रकारों को एक स्थायी स्थान मिल सकेगा। साथ ही पत्रकारिता से जुड़े विभिन्न रचनात्मक और सामाजिक कार्यक्रमों के आयोजन में भी सुविधा होगी।अब जनप्रतिनिधियों से उम्मीदनगर के पत्रकारों की अपेक्षा है कि स्थानीय जनप्रतिनिधि इस मांग को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों के माध्यम से शासकीय भूमि चिह्नित कराने और पत्रकार भवन के निर्माण के लिए आवश्यक प्रक्रिया शुरू कराने की पहल करें। नगर में पत्रकार भवन का निर्माण स्थानीय पत्रकारिता जगत के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि साबित हो सकता है।अब देखना यह है कि जनप्रतिनिधि पत्रकारों की इस आवश्यकता को कितनी प्राथमिकता देते हैं और गोटेगांव को पत्रकार भवन की सौगात दिलाने के लिए क्या कदम उठाते हैं।प्रकाशन के लिए वैकल्पिक दमदार शीर्षकःगोटेगांव को पत्रकार भवन की दरकार, जनप्रतिनिधियों से आसपत्रकारों को मिले स्थायी ठिकाना, गोटेगांव में बने पत्रकार भवनशासकीय भूमि उपलब्ध कराएं जनप्रतिनिधि, पत्रकार भवन निर्माण की उठी मांग



शताब्दी वर्ष पर भव्य पथ संचलन, अनुशासन और राष्ट्रसेवा का दिखा संगम

गोटेगांव। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर नगर में भव्य पथ संचलन का आयोजन किया गया। संचलन सुभाषचंद्र बोस मिनी स्टेडियम परिसर से प्रारंभ हुआ, जो नगर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से होते हुए निकला।पथ संचलन के दौरान स्वयंसेवकों में जबरदस्त अनुशासन, एकरूपता और उत्साह देखने को मिला। केसरिया ध्वज के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रहे स्वयंसेवकों ने नगरवासियों को राष्ट्रसेवा, अनुशासन, समर्पण और सामाजिक एकता का संदेश दिया। मार्ग में जगह-जगह नगरवासियों ने पुष्पवर्षा कर संचलन का स्वागत किया।कार्यक्रम में विधायक महेंद्र नागेश सहित अन्य वक्ताओं ने कहा कि संघ की 100 वर्षों की गौरवशाली यात्रा त्याग, तपस्या, सेवा और राष्ट्रनिष्ठा का प्रतीक है। संघ के स्वयंसेवकों का अनुशासन, मातृभूमि के प्रति समर्पण और समाज को संगठित करने का संकल्प हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है।इस अवसर पर संघ के समस्त पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

लाखों का राजस्व, बैठने को छत नहीं: रजिस्ट्री कार्यालय की बदहाली पर जनप्रतिनिधि मौन, हादसे का इंतजार



गोटेगांव। सरकार को सबसे ज्यादा राजस्व देने वाले विभागों में से एक रजिस्ट्री (पंजीयन) कार्यालय का भवन ही क्षतिग्रस्त और जर्जर हालत में है। इसी जर्जर भवन में लोगों की संपत्ति की लिखा-पढ़ी, क्रय-विक्रय और विक्रयनामा का कार्य किया जा रहा है।यह भवन कई वर्षों से जर्जर स्थिति में है। अधिकारी-कर्मचारी जान हथेली पर रखकर इसी में बैठकर काम करने को मजबूर हैं। साथ ही स्टांप वेंडर, क्रेता-विक्रेता, मुंशी और रजिस्ट्री कराने आए आम लोग भी परेशान हैं। बैठने तक की समुचित व्यवस्था नहीं है। बरसात के समय तो स्थिति और भी दयनीय हो जाती है, जिससे रजिस्ट्री कराने वालों को भारी मुसीबत का सामना करना पड़ता है।स्थानीय लोगों का कहना है कि भवन के जीर्णोद्धार के लिए न तो विभागीय अधिकारियों द्वारा पहल की जा रही है और न ही जनप्रतिनिधियों द्वारा ध्यान दिया जा रहा है।रजिस्ट्री कराने आए उपभोक्ताओं और मुंशियों ने जनप्रतिनिधियों से मांग की है कि गोटेगांव के सबसे ज्यादा राजस्व देने वाले इस कार्यालय का जल्द जीर्णोद्धार कराया जाए, ताकि किसी बड़े हादसे से बचा जा सके।